# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर म.प्र.

# पाठ्यक्रम (CURRICULUM)

**दिनांकः 18.04,2020**

**PRESENTED BY:**

**MRS. REKHA SHRIVASTAVA**

**EDUCATION DEPARTMENT**

Curriculum
Learning
OverallExpectations
Student
SpecificExpectations
ProgramConsiderations
Preface
SchoolLibrary
Program
Cross-curricular
StudentAchievement
CriticalLiteracy
Glossary
Literacy
AchievementChart
Overview

# भूमिका

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति के व्यवहार में निरन्तर परिवर्तन होता रहता है। व्यक्ति के व्यवहार में यह परिवर्तन औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों प्रकार से हो सकता है।

औपचारिक माध्यम वे होते हैं जिनका नियोजन एवं निष्चित उदेश्य की पूर्ती हेतु व्यवस्थित ढंग से संस्थापित संस्थाओं में किया जाता है। इस प्रकार की संस्थाओं को विद्यालय कहा जाता है।

अनौपचारिक शिक्षा वह होती है जिसे बालक परिवार, अपने आसपास के वातावरण इत्यादि से सीखता है।

विद्यालय में छात्रों को जो कुछ भी कक्षा या कक्षा के बाहर ज्ञान प्रदान किया जाता है उसका एक निष्चित उद्देष्य होता है तथा इस उद्देष्य को जिस माध्यम से पूरा किया जाता है उसे पाठ्यक्रम कहा जाता है।

वास्तव में पाठ्यक्रम एक दौड़ का मैदान है जिसे पार करके ही एक विद्यार्थी अपने गंतव्य स्थल तक पहुंच सकता है।

# पाठ्यक्रम का अर्थ एवं परिभाषा

पाठ्यक्रम शब्द अंग्रेजी (Curriculum) भाषा के शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है। Curriculum लैटिन भाषा से अंग्रेजी में लिया गया है। **Curriculum शब्द लैटिन शब्द कुर्रेर से बना है।**

**कुर्रेर - दौड़ का मैदान**

**अतः पाठ्यक्रम वह साधन है जिसके द्वारा षिक्षा तथा जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति होती है।**

**यह अध्ययन का निष्चित तथा तर्कपूर्ण क्रम है, जिसके माध्यम से छात्र के व्यक्तित्व का विकास होता है।**

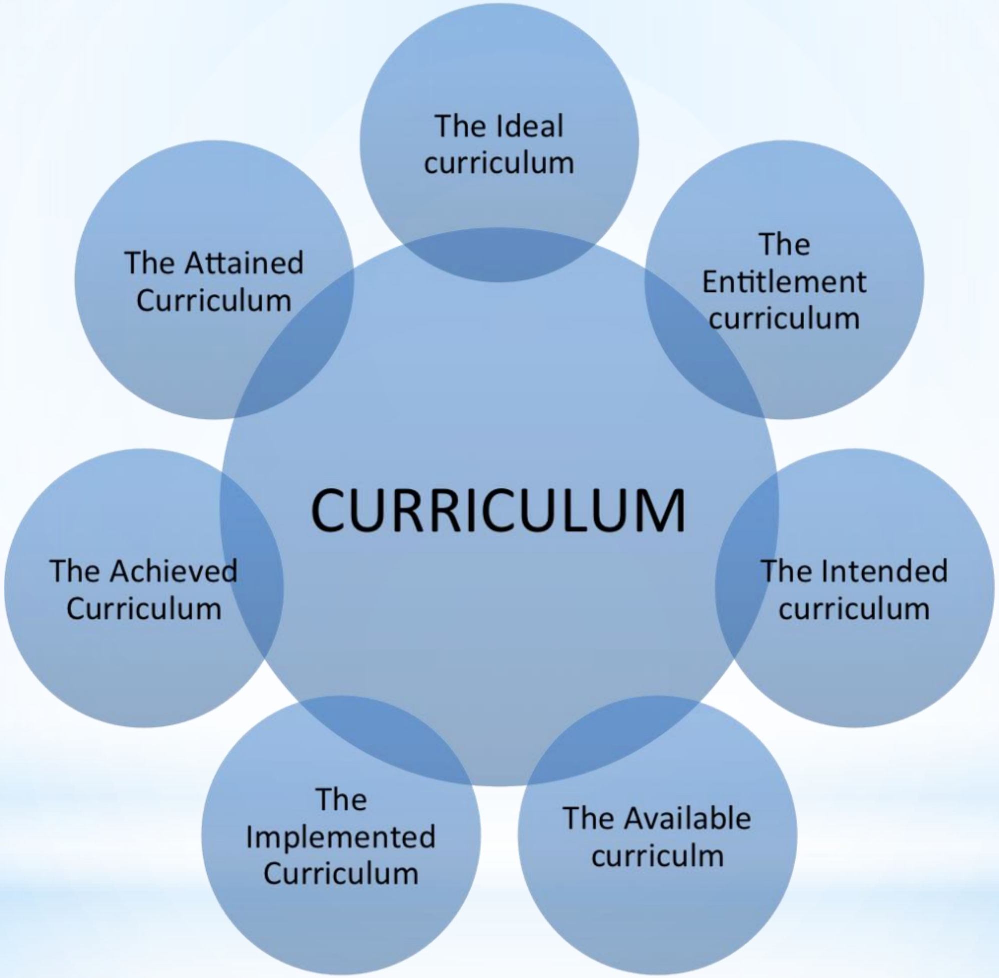
The Ideal curriculum
The Entitlement curriculum
The Intended curriculum
The Available curriculm
The Implemented Curriculum
The Achieved Curriculum
The Attained Curriculum
CURRICULUM

# पाठ्यक्रम के क्षेत्र
# Scope of Curriculum

पाठ्यक्रम के द्वारा ही शिक्षा के उद्देष्यों की प्राप्ति की जाती है। शिक्षा की व्यवस्था पाठ्यचर्या पर आधारित होती है। जब तक पाठ्यक्रम का सही नियोजन नहीं किया जाता तब तक षिक्षा के उद्देष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकती। पाठ्यचर्या विद्यालयी कार्यक्रम की रूपरेखा बनाता है अर्थात षिक्षा की प्रक्रिया को व्यवस्थित करता है।

अध्यापकों हेतु आवष्यक:- जिससे उन्हें जानकारी होती है कि उन्हे क्या पढ़ाना तथा कितना ज्ञान बालकों को देना है

पाठ्यक्रम अध्यापक को समय तथा शक्ति के प्रयोग को सिखाता है।

ज्ञानोपार्जन करने में बालक की सहायता करता है।

कक्षा का मूल्यांकन भी पाठ्यचर्या के आधार पर होता है। पाठ्यक्रम के बिना मूल्यांकन करना कठिन होता है।

Universiti Pengurusan Terkemuka

शिक्षा  एक त्रिमुखी प्रक्रिया है जिसके तीन प्रमुख अंग हैं।

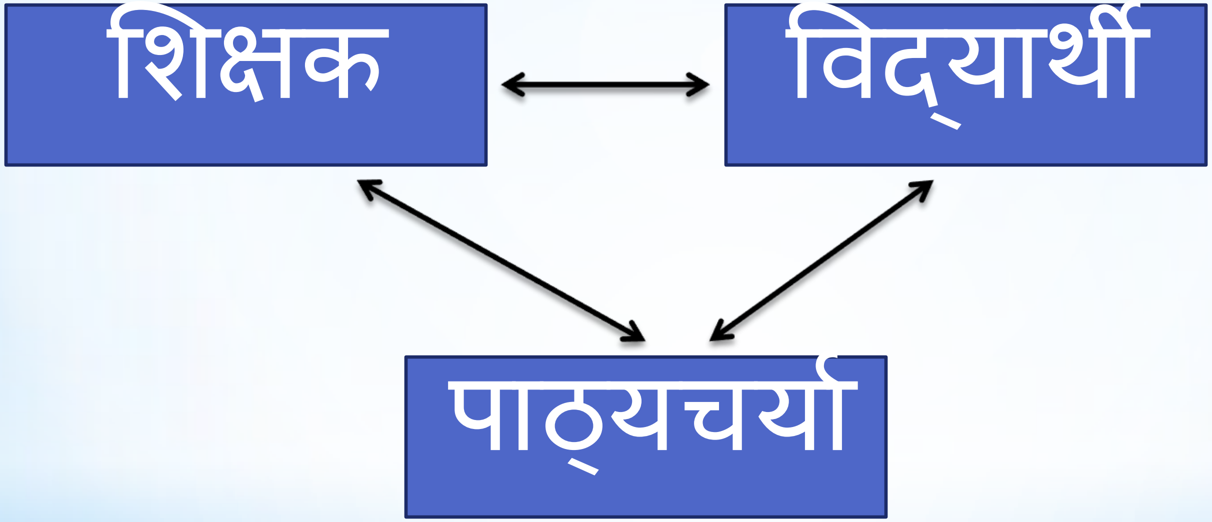

# पाठ्यक्रम के प्रकार

# Types Of Curriculum

# TYPES OF CURRICULUM

* Subject Centered
* Classical Curriculum
* Child Centered
* Activity or Experience Centered
* Persistent Life Situation
* Life Adjustment Curriculum
* Correlated Curriculum
* Need- Development Curriculum
* Problem Centered
* Broad Field or Fused Curriculum
* Core Curriculum
* Vocational Centered
* Craft Centered
* Emerging Curriculum
* Integrated Curriculum

# 1. विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम

## Subject Centred

- इसमें बालक की अपेक्षा विषय को अधिक महत्व दिया जाता है।
- यह परम्परा ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ उसे सुद्रढ़ करने तथा जीवन की
- विभिन्न स्थितियों में प्रयुक्त कर सकने की सुविधा होती है।
- इस प्रकार के पाठ्यक्रम में कार्य करने, परिवर्तन करने की पर्याप्त सुविधा
- होती है।
- इसमें अध्ययन अध्यापन में सुनिष्चितता होती है।
- इस प्रकार के पाठ्यक्रम को षिक्षक तथा छात्र
- दोनों पसंद करते हैं।

# 2. शास्त्रीय पाठ्यक्रम

# Classical Curriculum

- शास्त्रीय पाठ्यक्रम षिक्षा के प्रति परम्परागत दृष्टिकोण रखता है।
- इस प्रकार के पाठ्यक्रम में आध्यात्मिक तथा नैतिक जीवन के विकास पर बल दिया जाता है।
- प्राचीन यूनान के स्कूलों तथा भारतीय गुरूकुलों ने इस प्रकार के पाठ्यक्रम का सूत्रपात किया।
- इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शास्त्रीय भाषाओं, दर्षन, ज्योतिष, गणित, व्याकरण, अध्यात्मषास्त्र, धर्मषास्त्र, नीतिषास्त्र आदि विषयों पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

# Child Centered Curriculum

# 3. बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम

# Child Centred

- शिक्षा में बढ़ती हुई मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति के कारण वर्तमान समय में
- विषय-केन्द्रित शिक्षा का स्थान बाल-केन्द्रित शिक्षा ने ले लिया है।
- इस पाठ्यक्रम का आयोजन भी बालक को केन्द्र मानकर किया जाने लगा है।
- यह पाठ्यक्रम प्रयोगवादी विचारधारा पर आधारित ळें
- यह पाठ्यक्रम कर के सीखने पर आधारित है।

**(Learning By Doing)**

- यह पाठ्यक्रम उद्देष्यपूर्ण अनुभव प्रदान करता है।
- यह पाठ्यक्रम क्रियात्मक होता है।

# Activity or Experience based Curriculum

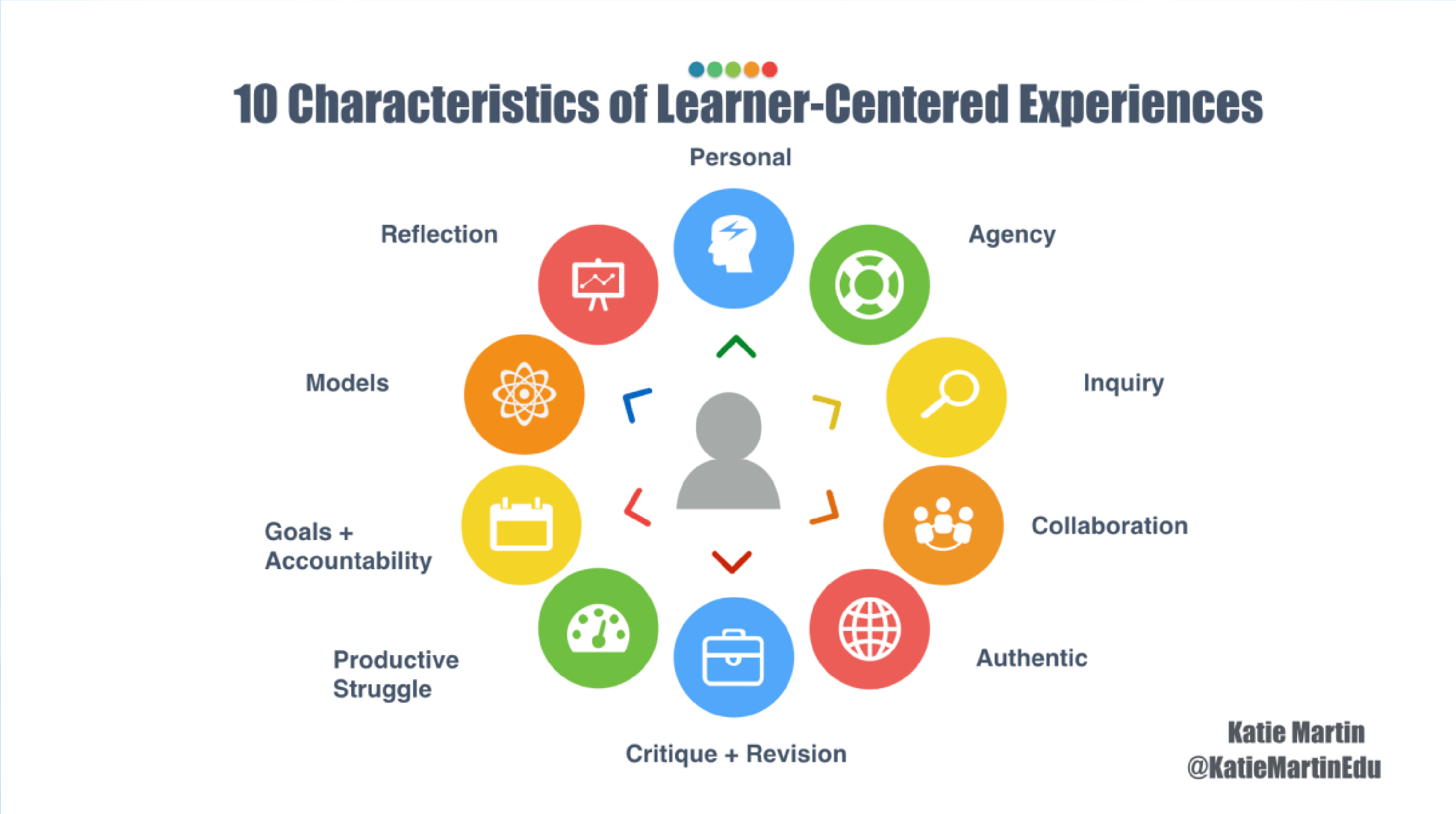

## 4. कार्य या क्रिया केन्द्रत अथवा अनुभव आधारित पाठ्यक्रम

## Activity Or Experience Centred

- क्रिया-प्रधान पाठ्यक्रम क्रिया या कार्य को आधार बनाता है।
- इसके अन्तर्गत कक्षा कार्य के लिए अन्तर्वस्तु का चयन छात्रों की अभिरूचियों, आवष्यकताओं, समस्याओं तथा अनुभवों के आधार पर किया जाता है।
- यह पाठ्यक्रम परम्परागत विषय -आधारित पाठ्यक्रम की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप प्रकाष में आया है।
- ऐतिहासिक दृष्टिकोण से इसका सूत्रपात प्रसिद्ध षिक्षाषास्त्री पेस्टालाॅजी तथा रूसो ने किया है, किन्तु इसके वास्तविक प्रणेता प्रसिद्ध अमेरिकी षिक्षाविद् जान डीवी थे।
- इसमें जीवन की नवीन स्थितियों में अधिगम के उपयोग की पर्याप्त संभावनाएं रहती हैं।

## 5. जीवन की स्थायी स्थितियों पर आधारित पाठ्यक्रम

## Persistent Life Situation

- जेम्स एम.ली के अनुसार, "जीवन की स्थायी स्थितियों पर आधारित पाठ्यक्रम उन अनवरत रूप से चलने वाली स्थितियों में निहित हैं जिनमें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को अपने विकास के प्रत्येक स्तर पर समाज में पाता है।
- जेम्स एम.ली ने जीवन की इन स्थितियों को तीन भागों में विभाजित किया है-

अ. वैयक्तिक क्षमताओं के विकास से सम्बन्धित स्थितियाॅं

ब. सामाजिक सहभागिता के विकास से सम्बन्धित स्थितियां

स. वातावरण से सम्बन्धित कारकों एवं शक्तियों के प्रति प्रतिक्रया क्षमता से सम्बन्धित स्थितियाॅं

- छात्र के नैतिक विकास को अधिक महत्व दिया जाता है।

# 6. जीवन-समायोजन पाठ्यक्रम

# Life Adjustment Curriculum

- ❖ यह पाठ्यक्रम छात्रों को जीवन से समायोजन करने के लिए प्रेरित करता है।
- ❖ इस प्रकार के पाठ्यक्रम में छात्रों को स्वास्थ्य, नागरिकता, गृह सदस्यता तथा अवकाषकालीन क्रियाओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है।
- ❖ इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र सामाजिक जीवन में आसानी से समायोजित हो जाते हैं।

# 7. सुसम्बद्ध पाठ्यक्रम

# **Correlated Curriculum**

प्रचलित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत जो विषय पढ़ाये जाते हैं। उनमें सुसम्बद्धता की कमी होती है। प्रायः विषयों को ज्ञान की पृथक इकाई मानकर पढ़ाया जाता है, जबकि ज्ञान एक पूर्ण इकाई है। अतः ज्ञान को अलग-अलग बाटकर पढ़ाने की अपेक्षा विभिन्न विषयों को परस्पर सम्बन्धित करके पढ़ाया जाना चाहिए। इसका उद्देष्य से सुसम्बद्ध पाठ्यक्रम अर्थात समवाय- आधारित पाठ्यक्रम का उदय हुआ।

उदाहरण:- इतिहास विषय के अन्तर्गत किसी काल विषेष का ज्ञान दिया जा रहा है। तो उन्ही दिनों साहित्य विषय के अन्तर्गत उस काल का साहित्य भी पढ़ाया जा सकता है।

# CORRELATED CURRICULUM

- In this type of curriculum different subject of school are taught by correlating each other.

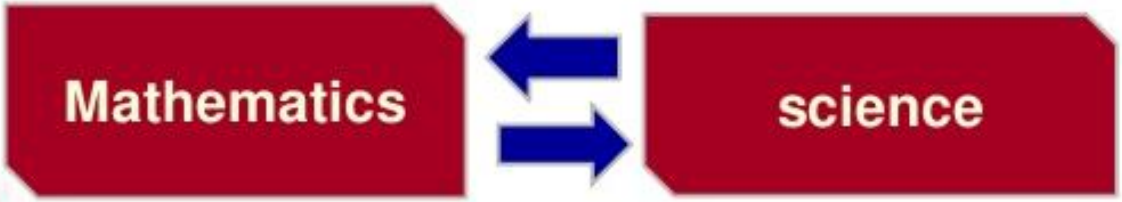

# 8. आवष्यकता विकास पाठ्क्रम

# Need – Development Curriculum

- यह पाठ्यक्रम बालकों की आवष्यकताओं अभिरूचियों, अनुभवों एवं समस्याओं पर आधारित होता है।
- विद्यालयी शैक्षिक क्रियाएं छात्रों के लिए अत्यन्त आवष्यक हैं।
- इस पाठ्यक्रम से बालकों को ऐसे ज्ञान की प्राप्ति होती है जो उन्हे समाज में प्रभावी योगदान हेतु योग्य बनाते हैं।
- इस पाठ्यक्रम से बालकों का वैयक्तिक विकास संभव है।
- इस पाठ्यक्रम से अधिगम का एकीकरण सरलता से होता है।

# 9. समस्या-आधारित पाठ्यक्रम

# Problem Centered

- ❖इसमें अन्तर्वस्तु न होने के कारण षिक्षक स्वतंत्रतापूर्वक कार्य कर सकता है।
- ❖व्यापक तथा मूलभूत लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है।
- ❖इसके द्वारा अधिगम स्वाभाविक ढंग से होता है।
- ❖इस पाठ्यक्रम में छात्र अधिक सक्रीय रहते हैं।
- ❖इस पाठ्यक्रम में वास्तविक निर्देषन प्रदान करना संभव होता है।

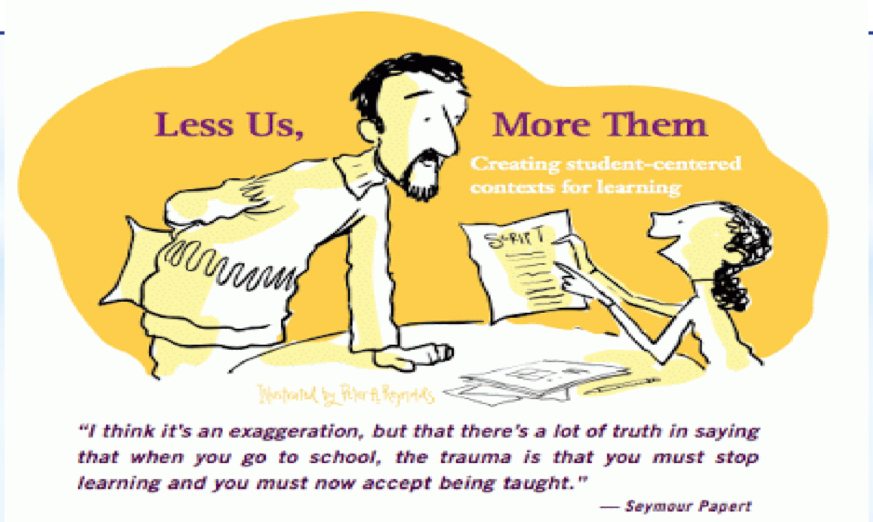

# 10. व्यापक क्षेत्रीय अथवा मिश्रित पाठ्यक्रम

## Broad Field or Fused Curriculum

समाजिक जीवन की निरन्तर बढ़ती हुई जटिलताओं ने एक तरफ तो विषिष्टीकरण को बढ़ावा दिया जिसके परिणामस्वरूप ऐसे विषेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती चली गई जो न केवल एक क्षेत्र विषेष, बल्कि उसकी भी किसी एक विषिष्ट छोटी इकाई के सूक्ष्म अध्ययन में जुट गये जबकि दूसरी तरफ विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सभी व्यक्तियों को अपने सामान्य जीवन के लिए अधक से अधक विविध ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य होता चला गया। इस समस्या समाधान के उद्देष्य के परिणामस्वरूप विद्यालयों में अनिवार्य सामान्य पाठ्यक्रम के विषयों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली गई जिससे पाठ्यक्रम बोझिल हो गया।

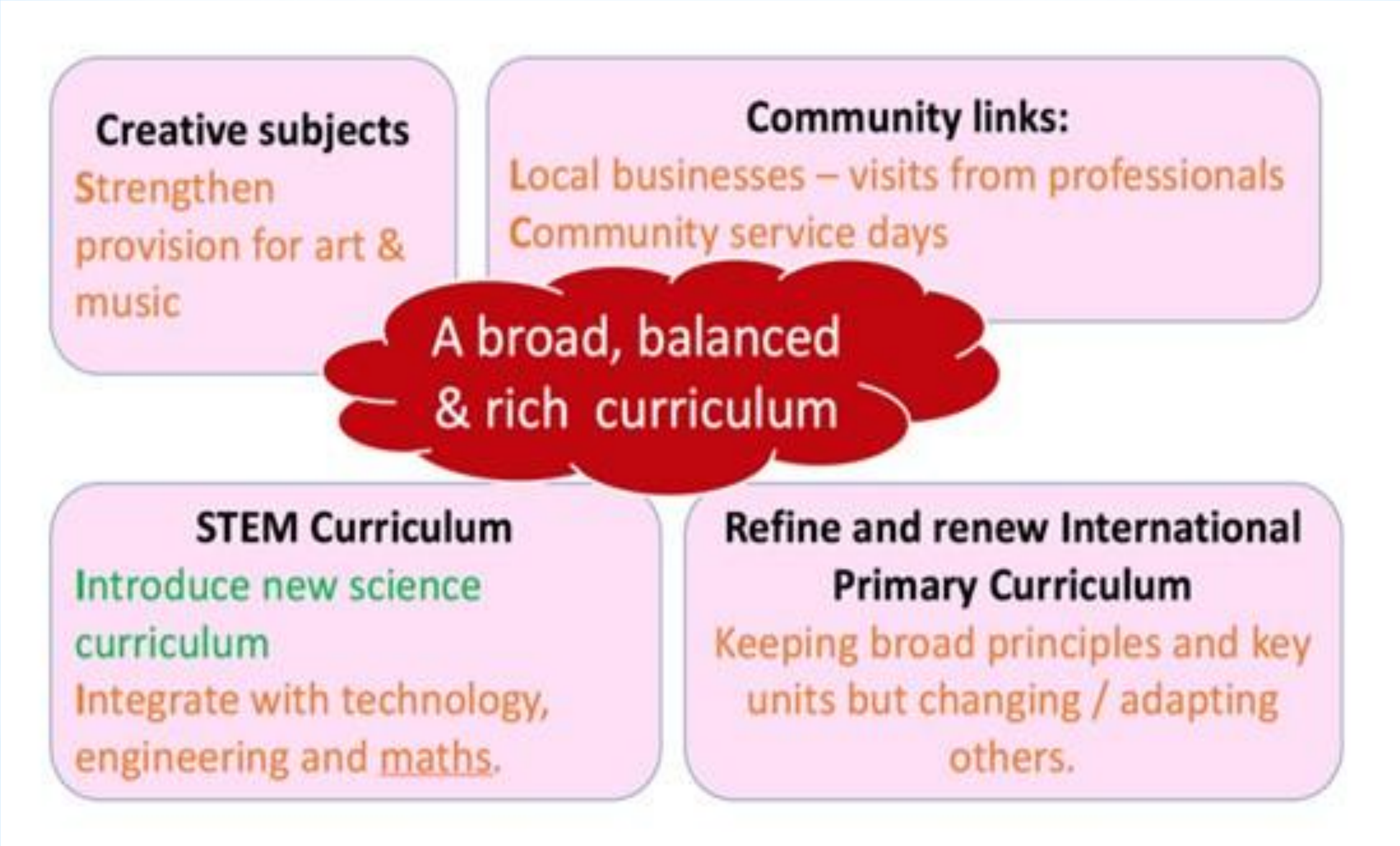
Creative subjects
Strengthen provision for art & music
Community links:
Local businesses – visits from professionals
Community service days
A broad, balanced & rich curriculum
STEM Curriculum
Introduce new science curriculum
Integrate with technology, engineering and maths.
Refine and renew International Primary Curriculum
Keeping broad principles and key units but changing / adapting others.

# 11. समन्वित सामान्य पाठ्यक्रम

## Core Curriculum

- यह पाठ्यक्रम सभी छात्रों की सामान्य आवष्यकताओं की पूर्ती करने का प्रयास करता है।
- इसमें समय विभाग चक्र लचीला होता है तथा कालांष बड़े होते हैं।
- यह पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक एवं बालकेन्द्रित होता है।
- इसमें व्यापक निर्देषन कार्यक्रम की व्यवस्था रहती है।
- इसमें विभिन्न प्रकार के अधिगम अनुभव प्रयुक्त किये जाते हैं।

# CORE CURRICULUM

- The common learning usually consists of the following compulsory subjects.

# 12. व्यवसाय केन्द्रित पाठ्यक्रम

## Vocational Centered

कुछ विद्यालयों में बालकों को व्यावसायिक एवं तकनीकी कार्य भी सिखाये जाते हैं। इस प्रकार के कार्यों से सम्बन्धित पाठ्यवस्तु को व्यवसाय केन्द्रित पाठ्यक्रम अथवा व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रम कहा जाता है। इसमें प्रमुख रूप से कौषल का विकास किया जाता है। वर्तमान समय की आवष्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा रोजगार की गारण्टी होने से इस प्रकार के पाठ्यक्रमों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। विषिष्ट विद्यालयों के अतिरिक्त सामान्य विद्यालयों में भी इस प्रकार के पाठ्यक्रम लागू किये जा रहे हैं।

# 13. शिल्प कला केन्द्रित पाठ्यक्रम

# **Craft Centered**

जब विद्यालयों में बालकों को विभिन्न प्रकार की षिल्प कलाओं जैसे कृषि, कताई-बुनाई, चमड़े तथा लकड़ी का कार्य आदि सीखने के लिए विषेष अवसर दिये जाते हैं तो इसके लिए निर्धारित विषय वस्तु को षिल्प कला केन्द्रित पाठ्यक्रम कहा जाता है। गांधीजी की बेसिक षिक्षा अर्थात वर्धा षिक्षा योजना में इस प्रकार के पाठ्यक्रम को महत्व दिया जाता है। इसमें अन्य विषयों जैसे - मातृभाषा, गणित, समाज विज्ञान, चित्रकला, संगीत, शरीर विज्ञान तथा सामान्य विज्ञान की शिक्षा शिल्पो को केन्द्रित करते हुए दी जाती है। गांधीजी की बेसिक षिक्षा योजना षिल्पकला केन्द्रित है।

# 14. पूर्णतया मुक्त पाठ्यक्रम

## Emerging Curriculum

- ❖ इसमें पाठ्यक्रम का निर्धारित स्वरूप नहीं होता।
- ❖ इसमें बालक मौलिक बाते सीख सकता है।
- ❖ इसमें किसी प्रकार की निर्धारित सीमाएं नहीं होती।
- ❖ शिक्षा और शिक्षण में स्पष्टता रहती है।
- ❖ व्यक्तिगत प्रयासों को समुचित मान्यता मिलती है। अतः बालकों की प्रतिभाओं को विकसित होने के लिए समुचित अवसर मिल जाते हैं।

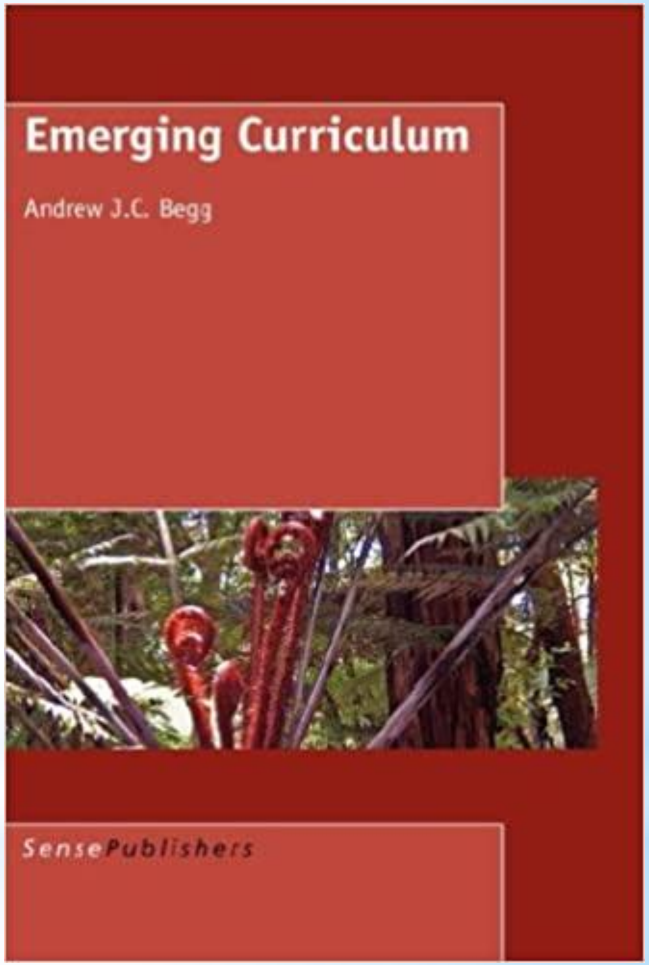

# 15. एकीकृत पाठ्यक्रम

## Integrated Curriculum

- इसमें ज्ञान को समग्र रूप में प्रस्तुत किया जाता है।
- यह अनुभव केन्द्रित होता है।
- इससे बालकों को जीवन उपयोगी षिक्षा मिलती है।
- छात्रों की रूचियों को महत्व दिया जाता है।
- इस पाठ्यक्रम से षिक्षकों का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है।

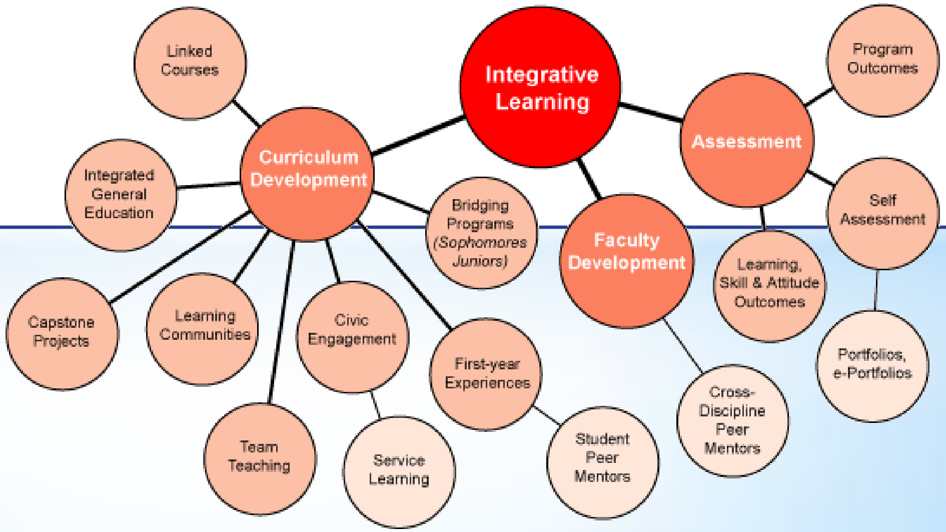

# Thank You